

क्षीरद्रुम पुं. (तत्.) पीपल, अश्वत्थ।

क्षीरधानी स्त्री. (तत्.) दूध पिलाने वाली धाय।

क्षीरधि पुं. (तत्.) समुद्र, क्षीर सागर, दुग्ध का समुद्र।

क्षीरधेनु स्त्री. (तत्.) दूध पिलाने या देने वाली गाय, दान के लिए घड़े आदि को स्थापित करके बनाई गई एक प्रकार की कल्पित गौ।

क्षीरनिधि पुं. (तत्.) समुद्र, क्षीरसागर।

क्षीरनीर पुं. (तत्.) 1. दूध और पानी 2. आलिंगन, गले लगाना 3. मिलन, मिल जाना।

क्षीरप पुं. (तत्.) दुधमुँहा बच्चा, शिशु।

क्षीरपर्णी स्त्री. (तत्.) मदार, आक।

क्षीरपलांडु पुं. (तत्.) सफेद प्याज।

क्षीरपुष्पी स्त्री. (तत्.) शंखपुष्पी।

क्षीरभृत वि. (तत्.) केवल दूध पर निर्भर रहने वाला (प्राणी) अपने वेतन के रूप में दूध लेने वाला चरवाहा।

क्षीरवृक्ष पुं. (तत्.) गूलर, महुआ, अश्वत्थ, खिरनी, वह वृक्ष जिससे दूध निकले।

क्षीरव्रत पुं. (तत्.) केवल दूध पीकर रहने का व्रत।

क्षीरस पुं. (तत्.) दूध, दही आदि की मलाई।

क्षीरसागर पुं. (तत्.) पुराण में वर्णित सात समुद्रों में से एक।

क्षीरसार पुं. (तत्.) नवनीत, मक्खन।

क्षीरा स्त्री. (तत्.) काकोली नामक जड़ी।

क्षीरान्धि पुं. (तत्.) क्षीरसागर, दूध का समुद्र।

क्षीरिक पुं. (तत्.) एक प्रकार का साँप।

क्षीरिका स्त्री. (तत्.) 1. पिंड खजूर, वंशलोचन 2. दूध से बना खाद्य पदार्थ।

क्षीरिणी स्त्री. (तत्.) 1. क्षीरकाकोली 2. खिरिन, दुग्धी नामक लता 3. वराहक्रांता।

क्षीरी वि. (तत्.) दूध देने वाला, जिससे दूध निकले।

क्षीरोद पुं. (तत्.) क्षीर समुद्र, क्षीरसागर।

क्षीरोद तनय पुं. (तत्.) चंद्रमा।

क्षीरोद तनया स्त्री. (तत्.) लक्ष्मी।

क्षीरोदधि पुं. (तत्.) क्षीरसागर।

क्षीरौदन पुं. (तत्.) दूध में पका हुआ चावल, खीर।

क्षीव पुं. (तत्.) उन्मत्त, मतवाला, उत्तेजित, मत्त।

क्षुण पुं. (तत्.) रीठा।

क्षुणी स्त्री. (तत्.) धरती, भूमि, पृथ्वी।

क्षुण्ण वि. (तत्.) 1. चूर किया हुआ, पिसा हुआ, खंडित दलित 2. पराजित 3. अभ्यस्त।

क्षुण्णक पुं. (तत्.) अंत्येष्टि के समय बजाया जाने वाला एक ढोल।

क्षुत स्त्री. (तत्.) 1. छींक 2. भूख, क्षुधा।

क्षुतक पुं. (तत्.) काली सरसों या राई।

क्षुतपिपासा स्त्री. (तत्.) भूख-प्यास।

क्षुति स्त्री. (तत्.) छींकने की क्रिया, छींक।

क्षुद पुं. (तत्.) आटा, मैदा, पिसा हुआ गोधूम का चूर्ण।

क्षुद्र वि. (तत्.) 1. छोटा 2. नीच, अधम, पापी 3. कंजूस 4. अल्प 5. खोटा 6. दरिद्र, निर्धन पुं. (तत्.) 1. चावल का कण 2. मधुमक्खी या बर उदा. 'हृदय ही तुम्हें दान कर दिया क्षुद्र था, उसने गर्व किया' -झरना।

क्षुद्रक पुं. (तत्.) 1. तोला 2. क्षुद्र व्यक्ति 3. एक प्रकार का बाण 4. एक परिमाण 6. पंजाब के अंतर्गत एक प्राचीन जनपद।

क्षुद्र कुलिश पुं. (तत्.) वैक्रांतमणि, एक बहुमूल्य पत्थर।

क्षुद्र घंटिका स्त्री. (तत्.) घूंघरूदार करधनी, प्राचीन घूंघरूदार आभूषण जो कमर में पहना जाता था।

क्षुद्र चंचु पुं. (तत्.) एक प्रकार का झाड़।